International Journal of Global Science Research
Vol. 12, Issue. 1, April 2025, pp. 2614-2625
Available Online at www.ijgsr.com
© Copyright 2014 | ijgsr.com | All Rights Reserved
ISSN: 2348-8344 (Online)
DOI: https://doi.org/10.26540/ijgsr.v12.i1.2025.303

International Journal of Global Science Research

शोध पत्र

भारतीय आधुनिक शिक्षा में ई-शिक्षा का प्रभाव

अनिता पांडेय
आदिम जाति कल्याण विभाग, शासकीय हाई स्कूल पुलिस लाइन शहडोल (म. प्र.) भारत
ईमेल: pandeyanitasdl@gmail.com

Received: 21/02/2025
Revised: 28/02/2025
Accepted: 10/03/2025

सार:
आधुनिक शिक्षा जीवन और समाज के हर पहलू को छू रही है। समय के साथ यह पाया गया है कि शिक्षा क्षेत्र सहित अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में उत्तम परिवर्तन देखने को मिला है। अन्य क्षेत्र की तरह, शिक्षा क्षेत्र में भी कई विकास और परिवर्तन हुए हैं। विगत वर्षों से यह देखा गया है कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में ई-शिक्षा एक शक्तिशाली दावेदार के रूप में उभरी है। हमारे देश में ई-शिक्षा काफी बड़े आकार की प्रणाली के रूप में विकसित हुई है| इस शोध पत्र में हम ई-शिक्षा की महानता को जानेंगे और देखेंगे कि आज के युग में ई-शिक्षा ने छात्रों के जीवन में क्या-क्या प्रभाव तथा बदलाव किये है। आज के छात्र कौन-कौन से आधुनिकृत उपकरण व किन माध्यमों के उपयोग पर विशेष ध्यान केंद्रित करते है। ई-शिक्षा देश के विकास और उन्नति के लिए एक अचूक अस्त्र है| ई-शिक्षा के माध्यम से ही कक्षा प्रणाली पद्धति को और भी रोचक तथा संवादात्मक बनाया जा सकता है जिससे जीवन में सफल होने और कुछ अलग करने में सहायता मिलती है तथा जीवन की कठिन चुनौतियों को कम किया जा सकता है। शिक्षा अवधि में प्राप्त ज्ञान प्रत्येक व्यक्ति को उसके जीवन के बारे में आश्वस्त करता है|

भूमिका:
भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग देख रहा है। किसी भी राष्ट्र अथवा समाज में शिक्षा सामाजिक नियंत्रण, व्यक्तित्व निर्माण तथा सामाजिक व आर्थिक प्रगति का मापदंड होती है।

International Journal of Global Science Research **ISSN: 2348-8344 (Online)**
Vol. 12, Issue. 1, April 2025, pp. 2614-2625 **DOI: https://doi.org/10.26540/ijgsr.v12.i1.2025.303**
***Available Online* at www.ijgsr.com**
© Copyright 2014 | ijgsr.com | All Rights Reserved

आधुनिक युग में तकनीकी शिक्षा की भारी मांग है। यह आधुनिक शिक्षा भारत का सपना है और उस सपने को साकार करने के लिए आधुनिक शिक्षा को उचित महत्व दिया गया है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली पश्चिमी शिक्षा प्रणाली से प्रभावित है और समय के साथ-साथ विकसित हुई है। यह प्रौद्योगिकी में बदलाव और प्रगति से प्रभावित हुई है| इस शैक्षिक प्रणाली में ईबुक, वीडियो सम्मेलन, वीडियो चैट, 3 डी इमेजिंग इत्यादि शामिल हैं।

आज हर जगह ऑनलाइन शिक्षा ज़्यादा प्रचलित और लोकप्रिय हो गयी है। इन तकनीकों के माध्यम से छात्रों को घर बैठकर और बेहतर तरीके से ज्ञान को समझने में मदद मिलती है,जिससे स्मृति में बढ़ोतरी होती हैं| उन्नत अनुसंधान और विकास के अनुसार शिक्षण विधियों को लगातार अपग्रेड किया जा रहा है| ऑनलाइन शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिसका उपयोग करके शिक्षक देश और दुनिया के किसी भी कोने से ऑनलाइन अपने छात्रों के साथ जुड़ सकते है। आज लोग मोबाइल से भी ऑनलाइन पढ़ने के लिए जुड़ रहे है। भारत के महानगरों और अन्य शहरों की शिक्षा प्रणाली भी काफी हद तक आधुनिकीकृत हो गई हैं, जिससे डिजिटलीकरण के लिए रास्ता बन गया है। डिजिटल शिक्षा विदेशी स्कूलो के साथ - साथ भारत की पारंपरिक शिक्षा में अपनी जगह बना चुका है| वह दिन गुजर गए है, जब कक्षा में प्रशिक्षण पाठ्य पुस्तकों द्वारा कराया जाता था | शिक्षक कोई भी विषय पढाने के लिए ब्लैकबोर्ड का प्रयोग करते थे और सभी छात्र उन शब्दों को अपनी-अपनी पुस्तिकाओं पर लिखते थे| सीखने के लिए छात्र अध्यापन और पारंपरिक रूप से कार्य-आधारित तरीकों के लिए शिक्षकों पर निर्भर रहते थे और लिखने और याद करने पर अधिक ध्यान केंद्रित करते थे। हालांकि अब ज्यादातर स्कूलों में चाक का उपयोग न के बराबर हो गया है। वर्तमान कक्षा में शिक्षण पीपीटी, वीडियो प्रस्तुति, ई-लर्निंग विधियों, अभ्यास डेमो, ऑनलाइन प्रशिक्षण और अन्य आधुनिक तरीकों या प्लेटफार्मों के साथ बहुत ही संवादात्मक और सरल हो जाता है।

शिक्षा के क्षेत्र में आधुनीकरण

आज शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक शिक्षण मोबाइल, स्मार्ट फोन, लैपटॉप, टेबलेट, रेडियो, टेपरिकॉर्डर, टेलीविजन, प्रोजेक्टर, भाषा प्रयोगशाला और शिक्षण आदि के प्रयोगों ने शिक्षण प्रक्रिया का मशीनीकृत कर दिया है। आजकल इन सभी उपकरणों के प्रयोग से विद्यार्थी आसानी से लाभ उठा सकते हैं।

ऑनलाइन पुस्तके पढ़ना

विद्यार्थियों को शिक्षा हेतु अनेक पुस्तकों की आवश्यता होती है, जिन्हे खरीद पाना सबके लिए सम्भव नहीं है। इसके अलावा पुस्तकें महंगी और आसानी से उपलब्ध न होने के कारण विद्यार्थी ऑनलाइन पढ़ना पसंद करते हैं। अत: ऑनलाइन पुस्तकों की उपलब्धता इन सभी विद्यार्थियों को लाभान्वित करती है। आजकल सभी प्रकार की पुस्तकों का विस्तारपूर्वक विवरण इंटरनेट पर उपलब्ध रहता है, जिससे ऑनलाइन बुक्स रीडिंग का अधिक प्रचलन हो गया है।

International Journal of Global Science Research ISSN: 2348-8344 (Online)
Vol. 12, Issue. 1, April 2025, pp. 2614-2625 DOI: https://doi.org/10.26540/ijgsr.v12.i1.2025.303
Available Online at www.ijgsr.com
© Copyright 2014 | ijgsr.com | All Rights Reserved

विद्यार्थी अपनी पूरी पढ़ाई ऑनलाइन पुस्तकों के माध्यम से कर सकते हैं |

ऑनलाइन पढ़ाई

आप ऑनलाइन पढाई के माध्यम से कहीं पर भी रहते हुए अपनी शिक्षा को जारी रख सकते हैं यदि आपके पास कक्षा में भाग लेने का समय नहीं है तो उसके लिए विद्यार्थी दूरवर्ती शिक्षा के लिए सम्बन्धित संस्थान में ऑनलाइन घर या ऑफिस में बैठे-बैठे अपना अध्ययन जारी रख सकते है। इससे शिक्षा की ओंर विद्यार्थियों का रुझान तेजी से बढ़ा रहा है।

दूरवर्ती शिक्षा

वर्तमान की शिक्षा में दूर- शिक्षण प्रणाली का योगदान बढ़ता ही जा रहा है। मल्टीमीडिया का योगदान और इंटरनेट के ज़रिए दूरवर्ती शिक्षा प्रणाली ने ही इस कोरोना काल में भी विद्यार्थियों के लिए ज्ञान का भंडार खुला रखा और साथ ही साथ इसने हम सबके जीवन में ज्ञान का प्रसारण में भी इसने एक अहम भूमिका निभाई है । बुहत सारे लोग पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक समस्याओं और समय न होने के कारण,शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते हैं, लेकिन उनके मन में पढने की आकांक्षा बनी रहती है। इस प्रणाली के जरिए इच्छुक विद्यार्थियो को उनके घरों पर ही शिक्षा मुहैया कराई जाती है। इस कार्य में मल्टीमीडिया, ऑडियो-वीडियो कैसेट, सीडी-डीवीडी, टेपरिकार्डर, वीडियो रिकार्डर, रेडियो, सामुदायिक रेडियो, टेलीविजन, ई-मेल, इंटरनेट, वीडियो पत्रिकाएं, टेलीविजन पत्रिकाएं, ज्ञानदर्शन चैनल आदि की मदद ली जाती है। इसमें शैक्षिक गतिविधियों जैसे-प्रवेश, पाठ्य-सामग्री घर बैठे विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है।

उच्च शिक्षा में टेलीकांफ्रेसिंग

यह 1960 में अमेरिका में टेलीफोन के माध्यम से शुरू हुआ। कंप्यूटर और सम्मेलनों के लिए इंटरनेट द्वारा प्रदान की गई मल्टी-मध्यम सेवाएं उपयोग की जाती हैं। यहां हम उन व्यक्तियों को इंटरनेट सेवाओं द्वारा लिखित सामग्री भेज सकते हैं जो कांफ्रेसिंग में भाग लेते हैं। ऑडियो-वीडियो कांफ्रेसिंग, जब कंप्यूटर तकनीक और इंटरनेट अच्छी तरह से जुड़े होते हैं, तो दोनों स्वयं को निर्देश देते हैं और खुद को और अपने प्राकृतिक हितों, समय और संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर निर्देश देते हैं। इससे विद्यार्थी पाठ्य-सामग्री के साथ अपनी शिक्षा संबन्धित विचार - विमर्श कर सकते हैं।

एम-लर्निंग

आजकल मोबाइल लर्निंग (एम-लर्निंग) का भी चलन है। आज मोबाइल विद्यार्थियों के साथ 24 घंटे उपलब्ध रहता है, जिससे वह इंटरनेट से हमेशा कनेक्ट रहते हैं। नतीजतन, छात्र आज ई-बैंकिंग, ई-कॉमर्स और ई-लर्निंग में मोबाइल सेवाओं की अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कर सकते हैं जैसे वह कंप्यूटर सुलभ इंटरनेट और वेब प्रौद्योगिकी के माध्यम से करते हैं। इसी तरह, ई-लर्निंग एक अतीत है, जबकि मोबाइल लर्निंग भविष्य है।

ई-बुकशॉप

आज इन्टरनेट पर ऑनलाइन बुकशॉप उपलब्ध हैं। जिन पर विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार प्रलेखों को खोज सकते हैं और उसके बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते है, यह छात्रों को

International Journal of Global Science Research
Vol. 12, Issue. 1, April 2025, pp. 2614-2625
Available Online at www.ijgsr.com
© Copyright 2014 | ijgsr.com | All Rights Reserved
ISSN: 2348-8344 (Online)
DOI: https://doi.org/10.26540/ijgsr.v12.i1.2025.303

अपनी पाठ्यता सामग्री को और भी आसानी से चुनने में और समय बचाने में मदद करता है |

डिजिटल पुस्तकालय

आधुनिक समय में शिक्षा का स्तर तेजी से बदल रहा है। आज इंटरनेट ने छात्र के लिए कभी भी, कहीं भी सूचना और शिक्षा तक पहुंच बनाना आसान बना दिया है। विद्यार्थी एक क्लिक पर अपने विषय से सम्बन्धित हजारों जानकारी तक पहुँच सकता है। इंटरनेट ने दुनिया की किसी-भी जानकारी तक पहुँच आसान की है। इसमें दुनियाँ की किताबों, शोध-पत्रों ऑनलाइन लाइब्रेरी शोध-ग्रन्थों का अध्ययन विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार कर सकते है।

आधुनिक शिक्षा के लाभ

संवादात्मक : ई-शिक्षा की सबसे बड़ी विशेषता ये है कि छात्र अपनी सहूलियत के हिसाब से किसी भी समय और कहीं पर भी अपना शैक्षिक कार्य कर सकते हैं। अर्थात इस शैक्षिक व्यवस्था में समय और स्थान की कोई पाबंदी नहीं है। डिजिटल शिक्षा के जरिए कक्षाओं का शिक्षण अधिक मजेदार और संवादात्मक बन गया है। बच्चे इस पर अधिक ध्यान दे रहे हैं, वह इसे सुन रहे हैं, और इसे स्क्रीन पर देख भी रहे हैं, जिससे उनके सीखने की क्षमता में काफी इजाफा होता है।

विवरणों पर ध्यान देना: संवादात्मक ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण या संवादात्मक स्क्रीन के माध्यम से व्यावहारिक सत्रों में निर्देशात्मक सामग्री छात्रों को विवरणों पर ध्यान देने में मदद करती है, जिससे वे अपनी गतिविधियों को बेहतर तारीके से पूरा करने में योग्य होते हैं।

शीध्र समापन : पेन और पेंसिल की बजाय टैब, लैपटॉप या नोटपैड की सहायता से बच्चे अपने कार्यों को कम समय में पूरा कर लेते हैं, ई-लर्निंग के माध्यम से छात्र वेब अध्ययन कर सकते हैं और बार-बार जांच कर व्यापक दृष्टिकोण रख सकते हैं।

शब्दकोष : सक्रिय ऑनलाइन स्क्रीन छात्रों को अपने भाषा कौशल में सुधार करने की अनुमति देती हैं। वे नए शब्द सीखते हैं और ई-पुस्तकों या ऑनलाइन अध्ययन सामग्री के माध्यम से अपनी शब्दावली का विस्तार करते हैं।

अपनी क्षमता से सीखें : कई बार, एक छात्र अपनी कक्षा में प्रशिक्षण के दौरान प्रश्न पूछने में संकोच करता है। लेकिन डिजिटल शिक्षा के माध्यम से, अगर यदि आप एक बार में कुछ भी समझ नहीं पाए, तब भी आप अपनी संकाओ को समाप्त करने के लिए कभी भी रिकॉर्डिंग सत्र में शामिल हो सकते ई लर्निंग सभी को अपनी क्षमता के अनुसार सीखने में मदद करता है।

उपयोगकर्ता के अनुकूल: डिजिटल शिक्षा की सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसका उपयोग आसानी से कर सकते है। आप हर जगह, अपने पाठ्यक्रम को डिजिटल शिक्षा की मदद से पढ़ सकते हैं। यहां तक कि यदि आप कक्षा में कुछ दिनों तक मौजूद नहीं हैं, तो आप स्कूल की वेबसाइट से कक्षाएं और फ़ाइलें डाउनलोड कर सकते हैं।

अपने आप सीखें: वर्तमान में ऑनलाइन शिक्षण सामग्री सरलता से उपलब्ध है। छात्र अपनी क्षमताओं के आधार पर डिजिटल सामग्री का लाभ उठा सकते हैं। इसलिए छात्र शिक्षक के बिना भी अपने ज्ञान को बढ़ाने के

International Journal of Global Science Research ISSN: 2348-8344 (Online)
Vol. 12, Issue. 1, April 2025, pp. 2614-2625 DOI: https://doi.org/10.26540/ijgsr.v12.i1.2025.303
Available Online at www.ijgsr.com
© Copyright 2014 | ijgsr.com | All Rights Reserved

लिए, विभिन्न विषयों के ऑनलाइन सामग्री का उपयोग कर सकते हैं।

बाह्य मार्गदर्शन: ई-शिक्षा के जरीये कोई भी छात्र अपने कौशल, विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। इसके साथ ही अन्य शिक्षा सलाहकारों के सहयोग अपनी सारी संकाओ को दूर करे हैं |

शोध-प्रविधि

प्रस्तुत शोध पत्र में आँकड़ों के संकलन के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। वस्तुनिष्ठ प्रतिचयन पद्धति के आधार पर 100 छात्रों (उत्तरदाताओं) से जानकारी एकत्र की गई है । ये छात्र शहडोल शहर के विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

संख्यात्मक सारणीकरण और चित्रमय प्रस्तुति और व्याख्या:

प्रश्न संख्या 1: क्या आप रोजमर्रा की जिंदगी में अकादमिक कार्यों के लिए ई-शिक्षा/ ई-लर्निंग का उपयोग करते हैं?

1	हाँ	94%
2	नहीं	6%

प्रश्न संख्या 1 में जब ये पूछा गया कि आप अकादमिक कार्यों के लिए ई-शिक्षा/ ई-लर्निंग का उपयोग करते हैं तो 94% उत्तरदाताओं ने कहाँ कि हम ई-शिक्षा/ ई-लर्निंग का इस्तमाल करते है और 6% उत्तरदाता इस्तमाल नहीं करते हैं|

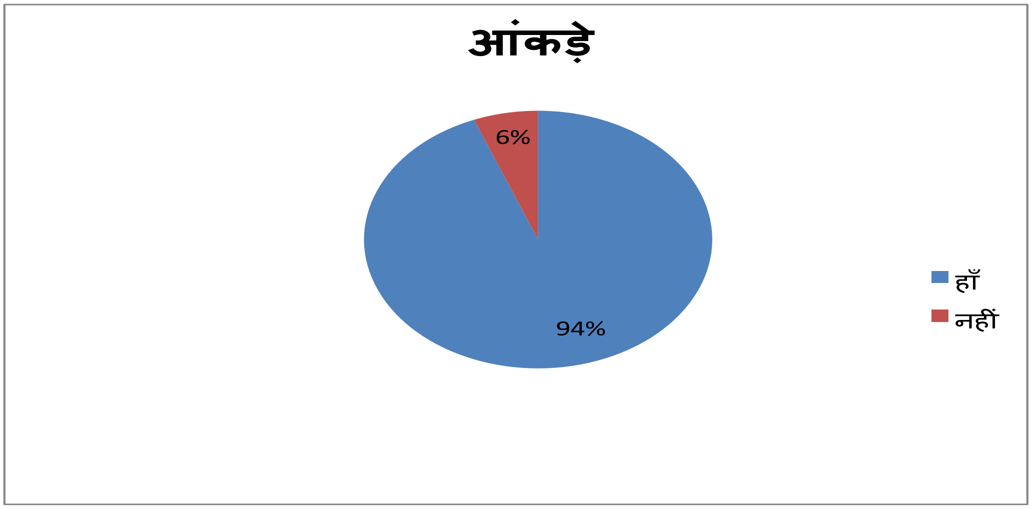

International Journal of Global Science Research **ISSN: 2348-8344 (Online)**
Vol. 12, Issue. 1, April 2025, pp. 2614-2625 **DOI: https://doi.org/10.26540/ijgsr.v12.i1.2025.303**
***Available Online* at www.ijgsr.com**
© Copyright 2014 | ijgsr.com | All Rights Reserved

प्रश्न संख्या 2: आप ई-शिक्षा के समय इनमे से किसका प्रयोग सर्वाधिक करते हैं ?

1	ई-बुक्स	65%
2	दूरस्थ शिक्षा	20%
3	बाहरी मार्गदर्शन	10%
4	स्वयं सीखने के लिए	5%

प्रश्न संख्या 2 सें स्पष्ट है कि जब उत्तरदाताओं से यह प्रश्न किया गया कि क्या आप ई-शिक्षा के समय इनमे से किसका प्रयोग सर्वाधिक करते हैं तो 65% उत्तरदाताओं ने कहाँ कि हम ई-बुक्स का उपयोग करते है, और 20% उत्तरदाताओं ने कहाँ कि हम दूरस्थ शिक्षा के लिए का उपयोग करते हैं वा 10% उत्तरदाता बाहरी मार्गदर्शन और 5% उत्तरदाता स्वयं सीखने के लिए उपयोग करते है |

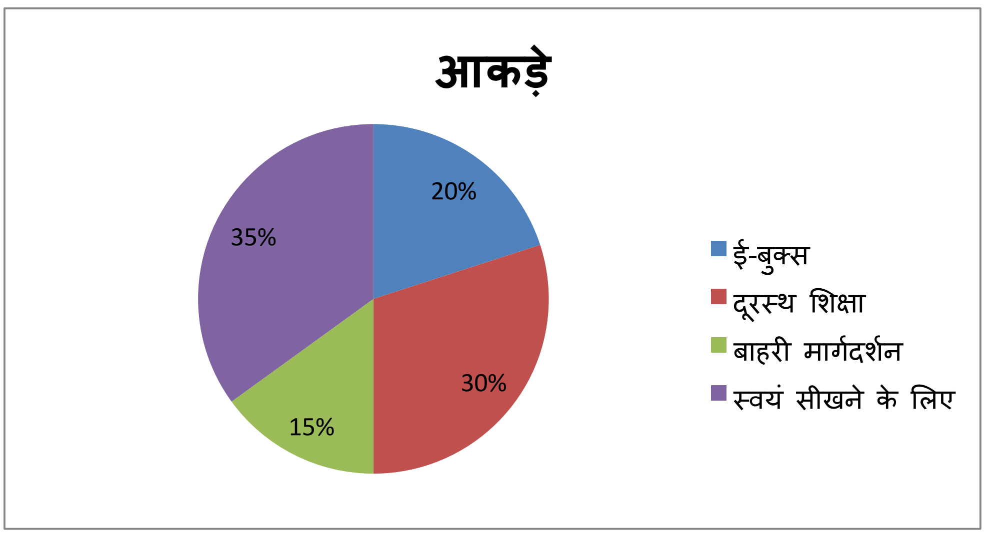

प्रश्न संख्या 3 क्या ई-लर्निंग से आपके अंदर किन गुणों मे सुधार आया है ?

1	संवादात्मकता	20%
2	शब्दावली	20%
3	उपरोक्त दोनों	60%

International Journal of Global Science Research
Vol. 12, Issue. 1, April 2025, pp. 2614-2625
Available Online at www.ijgsr.com
© Copyright 2014 | ijgsr.com | All Rights Reserved
ISSN: 2348-8344 (Online)
DOI: https://doi.org/10.26540/ijgsr.v12.i1.2025.303

प्रश्न संख्या 3 में उत्तरदाताओं से पूछा जाता है कि क्या ई-लर्निंग से आपके अंदर किन गुणों मे सुधार आया है ? तो 60% उत्तरदाताओं ने कहाँ कि ई-शिक्षा से उनकि संवादात्मकता और शब्दावली इजाफ़ा हुआ है|

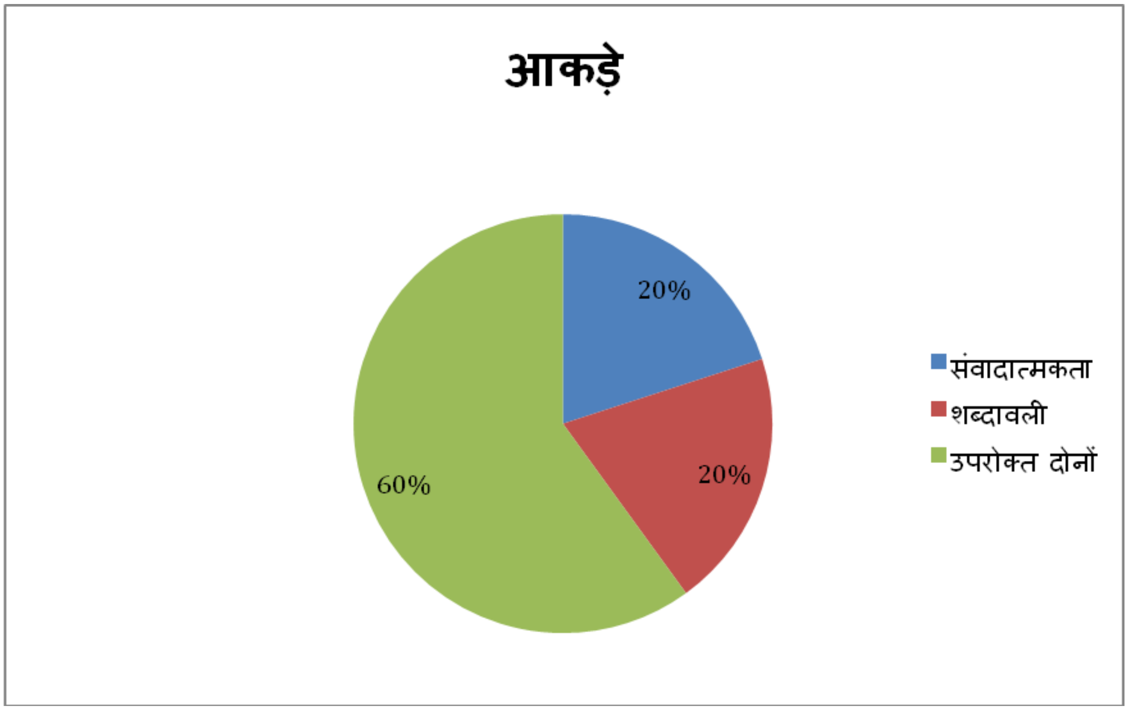

प्रश्न संख्या 4 : ई-शिक्षा प्राप्त करने के लिए आप इन में से किस उपकरण का ज्यादा उपयोग करते हैं?

1	मोबाइल	65%
2	लैपटॉप	20%
3	उपरोक्त दोनों	10%
4	अन्य	5%

प्रश्न संख्या 4 में यह पूछा गया कि आप ई-शिक्षा प्राप्त करने के लिए आप इन में से किस उपकरण का ज्यादा उपयोग करते हैं? तो 65% उत्तरदाताओं ने कहाँ कि वो मोबाइल का उपयोग करते है और 10% उत्तरदाताओं ने कहा कि हम लैपटॉप का उपयोग करते हैं 10% उत्तरदाताओं ने कहा कि हम उपरोक्त दोनों का

International Journal of Global Science Research **ISSN: 2348-8344 (Online)**
Vol. 12, Issue. 1, April 2025, pp. 2614-2625 **DOI: https://doi.org/10.26540/ijgsr.v12.i1.2025.303**
***Available Online* at www.ijgsr.com**
© Copyright 2014 | ijgsr.com | All Rights Reserved

उपयोग करते हैं, और 5% उत्तरदाताओं ने कहाँ कि हम अन्य उपकरण का उपयोग करते हैं|

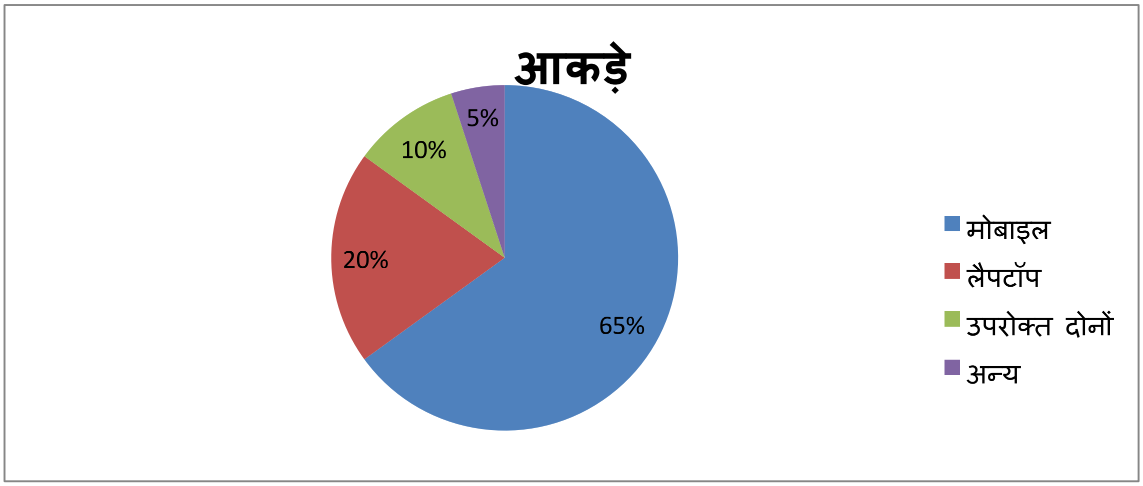

प्रश्न संख्या 5: क्या आप ईबुक्स/डिजिटल पुस्तकालय का उपयोग पठन प्रक्रिया में करते हैं ? -

1	हाँ	75%
2	नहीं	25%

प्रश्न संख्या 5 में उत्तरदाताओं से यह पूछा गया कि क्या आप ईबुक्स/डिजिटल पुस्तकालय का उपयोग पठन प्रक्रिया में करते हैं? तो 75% उत्तरदाताओं ने हाँ में उत्तर दिया व 25% ने नहीं में उत्तर दिया।

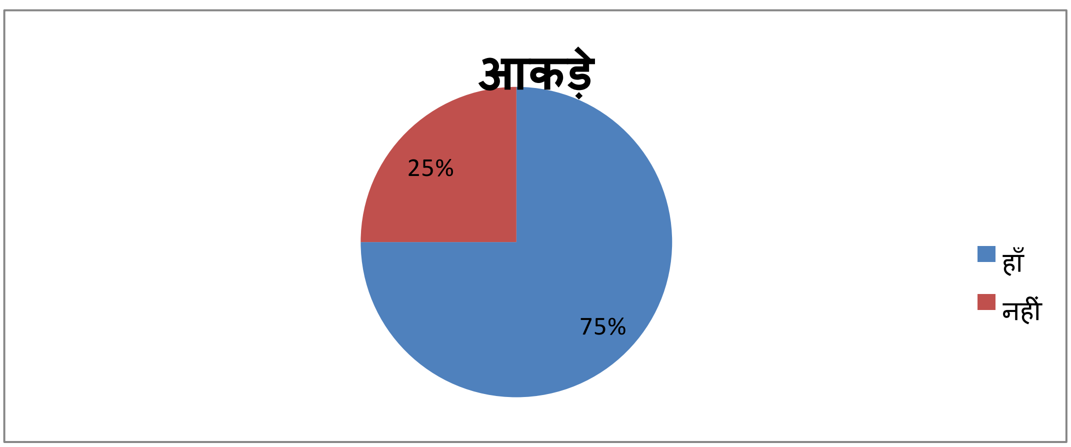

प्रश्न संख्या 6 : क्या आप ई-शिक्षा ग्रहण करने के लिए टेलीकांफ्रेंसिंग का इस्तेमाल किया है?

International Journal of Global Science Research ISSN: 2348-8344 (Online)
Vol. 12, Issue. 1, April 2025, pp. 2614-2625 DOI: https://doi.org/10.26540/ijgsr.v12.i1.2025.303
Available Online at www.ijgsr.com
© Copyright 2014 | ijgsr.com | All Rights Reserved

1	हाँ	80%
2	नहीं	20%

प्रश्न संख्या 6 में उत्तरदाताओं से यह प्रश्न पूछा गया कि आप ई-शिक्षा ग्रहण करने के लिए टेलीकांफ्रेंसिंग का इस्तमाल किया है? तो 80% ने हाँ में उत्तर दिया व 20% ने नही में उत्तर दिया।

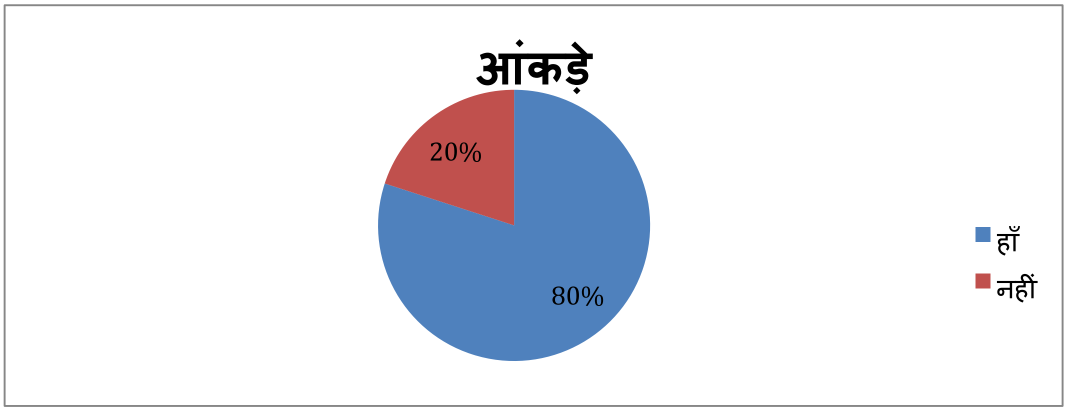

प्रश्न संख्या 7 : ई-शिक्षा से आपको अपनी पढाई में इनमे से क्या फ़यदा मिला है?

1	संकाओ को दूर करने में	10%
2	तेजी से सीखना	10%
3	स्वयं सीखना	5%
4	उपरोक्त सभी विकल्प	75%

प्रश्न संख्या 7 में जब उत्तरदाताओं से यह प्रश्न पूछा गया कि ई-शिक्षा से आपको अपनी पढाई में इनमे से क्या फ़यदा मिला है?, 75% उत्तरदाता ये मानते है कि ई-शिक्षा के करण ही उनमें संकाओ को दूर करने में, तेजी से सीखना व स्वयं सीखना में अधिक सफलता मिली है|

International Journal of Global Science Research **ISSN: 2348-8344 (Online)**
Vol. 12, Issue. 1, April 2025, pp. 2614-2625 **DOI: https://doi.org/10.26540/ijgsr.v12.i1.2025.303**
***Available Online* at www.ijgsr.com**
© Copyright 2014 | ijgsr.com | All Rights Reserved

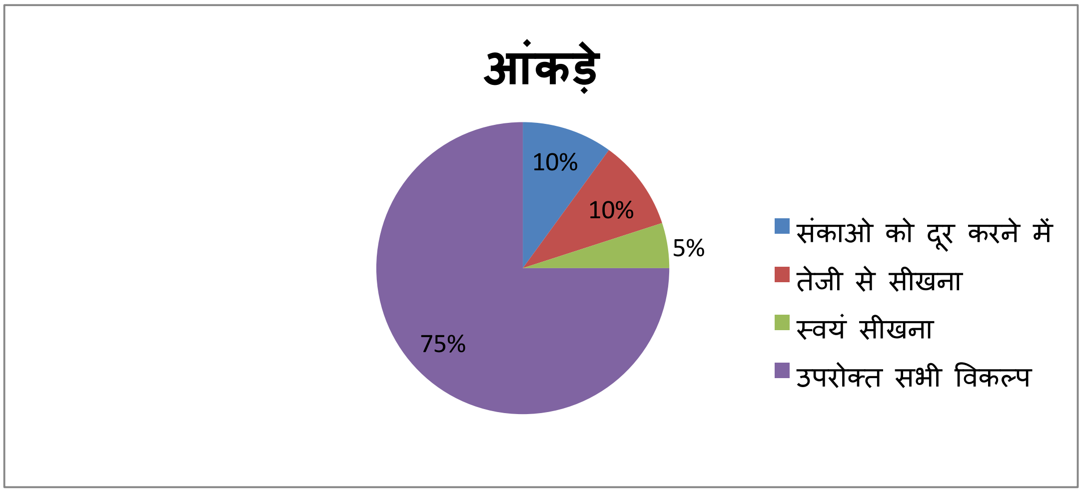

प्रश्न संख्या 8: आप ई-शिक्षा या कक्षा प्रणाली पद्धति मे से आप किसको बढ़ावा देंगे और क्यों ?

1	ई शिक्षा	73%
2	कक्षा प्रणाली पद्धति	27%

प्रश्न संख्या 8 में उत्तरदाताओं से पूछा गया कि ई-शिक्षा या कक्षा प्रणाली पद्धति मे से आप किसको बढ़ावा देंगे और क्यों तो उत्तरदाताओ ने ई-शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया है और उन्होन कहा की ई-शिक्षा समय के अनुरूप सुचारु और लचीलपन विकल्प है इसमे विद्यार्थी को किसी भी चीज के लिये किसी पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं रहती है |

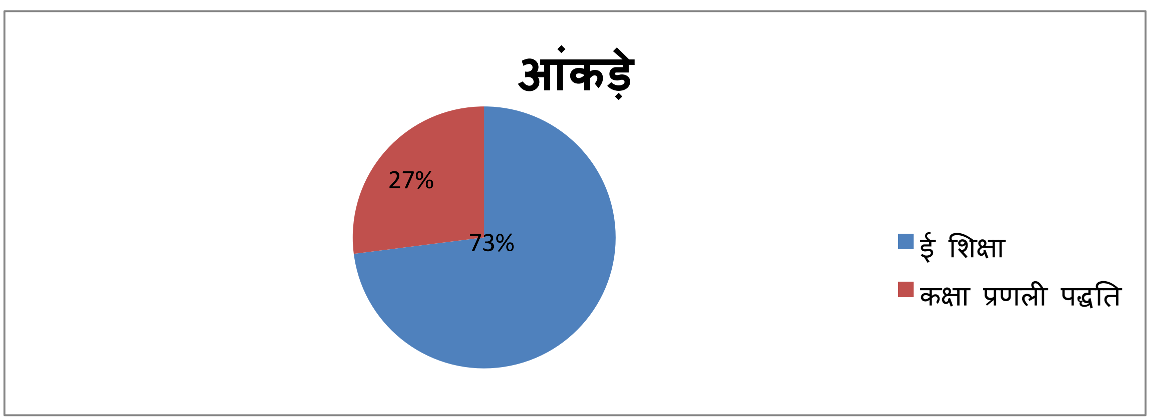

International Journal of Global Science Research **ISSN: 2348-8344 (Online)**
Vol. 12, Issue. 1, April 2025, pp. 2614-2625 **DOI: https://doi.org/10.26540/ijgsr.v12.i1.2025.303**
***Available Online* at www.ijgsr.com**
© Copyright 2014 | ijgsr.com | All Rights Reserved

प्रश्न संख्या 9: कोविड- 19 महामारी के दौरान ई-शिक्षा आपके लिए कितनी महात्वपूर्ण रही?

1	अत्यंत महत्वपूर्ण	100%
2	बिल्कुल नहीं	0%

प्रश्न संख्या 9 में जब उत्तरदाताओं से यह पूछा गया कि कोविड-19 महामारी के दौरान ई शिक्षा आपके लिए कितनी महात्वपूर्ण रही? तो 100% उत्तरदाताओं ने अत्यंत महत्वपूर्ण बताया |

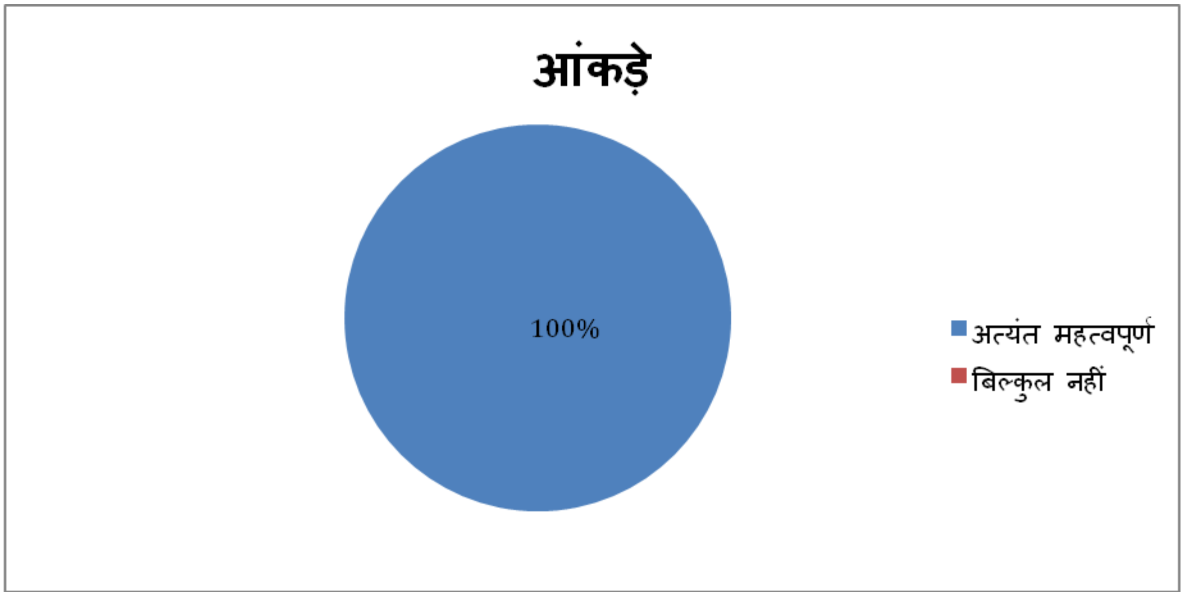

निष्कर्ष:

प्रस्तुत शोध-पत्र के लिए किए गए सर्वे के परिणाम बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धनक हैं। शोध-सर्वे के अनुसार 95% उत्तरदाता शैक्षिक कार्यों के लिए **ई-शिक्षा**/ ई-लर्निंग का उपयोग करते हैं। **ई-शिक्षा** के उपयोग के कारण सामने आये हैं, इनमें प्रमुख है- इंटरनेट पर पाठ्य-सामग्री की अधिक उपलब्धता, बाजार तथा पुस्तकालयों में किताबें आसानी से उपलब्ध होना, किताबों के महंगी होनी की वजह से विधार्थी **ई-शिक्षा** का उपयोग कर रहें है क्योंकि किताबों की तुलना में इन्टरनेट के द्वारा **ई-शिक्षा** एक सस्ता और सुचारु माध्यम है। 65% उत्तरदाता अपने अध्ययन में ई-बुक्स का, 20% उत्तरदाता दूरस्थ शिक्षा के लिए, 10% उत्तरदाता बाहरी मार्गदर्शन से संकाओ को दूर करने में तथा 5% उत्तरदाता स्वयं सीखने के लिए **ई-शिक्षा** का उपयोग करते हैं। ई-शिक्षा के उपयोग ने शिक्षा को आसान बनाया है इसलिए वर्तमान समय में शिक्षा के लिए उपयोगी माध्यम है। 60% उत्तरदाताओं ने ये स्वीकारा है की ई-शिक्षा से उनकी संवादात्मकता और शब्दावली जैसे गुणों में इजाफ़ा हुआ है| आज मोबाइल विद्यार्थियों के साथ 24 घंटे उपलब्ध रहता है इसी कारण से 65% उत्तरदाता मोबाइल, 20% उत्तरदाता लैपटॉप, 10% उत्तरदाता दोनों तथा 5% उत्तरदाता अन्य उपकरण का उपयोग

International Journal of Global Science Research ISSN: 2348-8344 (Online)
Vol. 12, Issue. 1, April 2025, pp. 2614-2625 DOI: https://doi.org/10.26540/ijgsr.v12.i1.2025.303
Available Online at www.ijgsr.com
© Copyright 2014 | ijgsr.com | All Rights Reserved

ई-शिक्षा प्राप्त करने के लिए करते हैं। सर्वे के अनुसार 80% उत्तरदाता टेलीकांफ्रेंसिंग का इस्तमाल अपने अध्ययन में कर रहे हैं | आज 75% विधार्थी ने बताया की वो ई-शिक्षा को अपनी संकाओ को दूर करने में संकाओ को दूर करने में, तेजी से सीखना में और स्वयं सीखना में अत्यन्त महात्वपूर्ण भूमिका निभा रही है| 73% उत्तरदाताओ ने बताया की वो ई-लर्निंग को अपनी शिक्षा में बढ़ावा देने पर जोर दिया है उन्होन कहा की ई-शिक्षा समय के अनुरूप सुचारु और लचीलपन विकल्प है इसमे विद्यार्थी को किसी भी चीज के लिये किसी पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं रहती है | 100% उत्तरदाताओं ने ई-शिक्षा को कोविड - 19 महामारी के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण बताया क्योंकि लॉकडाउन के द्वारा भी इसने ज्ञान का भंडार खुला रखा और अपनी शिक्षा के लिए किसी पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं पड़ी | प्रस्तुत सर्वे से कहा जा सकता है कि ई-शिक्षा छात्रों के लिए एक वरदान से कम नहीं है अत इन पाठ्यक्रमों की पेशकश करने वाले छात्रों के लिए ई-शिक्षा फायदेमंद है। इसलिए सभी शिक्षण संस्थानों पर ई-शिक्षण लागू किया जाए और इस सीखने की प्रक्रिया को कैसे बेहतर बनाया जाए, इस पर शोध किया जाना चाहिए।

संदर्भ:

टी। कारेर (2007) ईलर्निंग 2.0 की समझ। शिक्षा सर्किट

एस। डाउनेस (2005) ई - लर्निंग 2.0 I Downes.ca

Redecker, Christine (2009) "Review of Learning 2.0 Practices: Study on the Impact of Web 2.0 Innovations on Education and Training in Europe". JRC Scientific and technical report. (EUR 23664 EN - 2009).

बेट्स (2005) प्रौद्योगिकी, ई - शिक्षा एवं दूरस्थ शिक्षा; लन्दन: रूटलेज बेट्स एवं जी। पूल; उच्च शिक्षा में प्रौद्योगिकी के साथ प्रभावशाली अध्यापन; सैन फ्रांसिस्को: जोसे - बास / जॉन विले, 2003

Fandilolu Jayashri Shambhuing and Govind (2018) “शिक्षा में बढ़ता टेक्नोलॉजी का प्रभाव” Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied EducationVol. XV, Issue No.4, June-2018, ISSN 2230-7540

Piyush Joshi and SHWETA Dewangan “Impact and Development of Online Education (E- Learning) In India” March 2021

Zahoor Ahmad Lone (2017) Impact of Online Education in India, IJESC 2017

Vasundhara www.ignited.in283Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied EducationVol. XV, Issue No. 3, May-2018, ISSN 2230-7540